# मेडिकिल सर्टफिकिशन ऑफ कॉज़ ऑफ डेथ (MCCD) 2020 रपिोर्ट

## प्रलिमि्स के लयिे:

MCCD रपिोर्ट,साँस की बीमारी, कोवडि-19

## मेन्स के लयिे:

MCCD रपिोर्ट, रोगों का कारण और रोकथाम, स्वास्थ्य

## चर्चा में क्यों?

मेडकिल सर्टफिकिशन ऑफ कॉज़ ऑफ डेथ (MCCD) 2020 रपिोर्ट के अनुसार, कोवडि-19 लॉकडाउन के पहले वर्ष में पछिले एक दशक के दौरान साँस की बीमारयिों से मरने वाले व्यक्तयिों की सबसे अधकि घटनाएँ देखी गईं।

## MCCD रपिोर्ट:

- जन्म और मृत्यु पंजीकरण (RBD) अधनियिम, 1969 के प्रावधानों के तहत देश में मृत्यु के कारणों की चकित्सिा प्रमाणन (MCCD) योजना शुरू की गई थी।
- तब से यह देश में राज्यों/केंद्रशासति प्रदेशों में दक्षता के वभिनि्न स्तरों के साथ प्रारंभ है।
- इस योजना के तहत भारत के महापंजीयक का कार्यालय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के संबंधति मुख्य रजसि्ट्रारों के जन्म और मृत्यु पंजीकरण कार्यालयों द्वारा एकत्रति, संकलति एवं सारणीबद्ध रूप में मृत्यु के चकित्सिकीय प्रमाणति कारणों पर डेटा प्राप्त करता है।

## MCCD रपिोर्ट की मुख्य वशिषताएँ:

- **कुल मौतें: वर्ष** 2020 में सभी कारणों से होने वाली मौतों की कुल संख्या 81.2 लाख थी।
  - रपिोर्ट में 2020 और 2021 के लयि भारत की अतरिकि्त मृत्यु दर 47.4 लाख आँकी गई है।
  - नागरकि पंजीकरण प्रणाली (CRS) के आँकड़ों ने 2019 की तुलना में 2020 में सभी कारणों से 4.75 लाख अतरिकि्त मौतों की जानकारी दी।
- **चकित्सिकीय रूप से प्रमाणति मौतें:** चकित्सिकीय रूप से प्रमाणति मृत्यु के मामले में यह राष्ट्रीय स्तर पर कुल पंजीकृत मौतों का 22.5% है, लेकनि लाइलाज़ बीमारी के समय मृतकों की यह संख्या बढ़कर 54.6% हो गई। राष्ट्रीय स्तर पर कुल पंजीकृत मौतों का 22.5% चकित्सिकीय रूप से प्रमाणति मौतें हैं, लेकनि टर्मनिल बीमारी के समय यह बढ़कर 54.6% हो गई।
  - चकित्सिकीय रूप से कुल प्रमाणति मौतों का **लगभग 5.7% शशिुओं की मौतों के रूप** में रपिोर्ट की गई है।
- **मौतों के प्रमुख समूहकि कारण:** मौतों के नौ प्रमुख **समूहकि कारण है जो** चकित्सिकीय रूप से प्रमाणति मौतों के कुल कारणों का लगभग 88.7% हैं:
  - संचारी रोग (32.1%)
  - श्वसन तंत्र संबंधी रोग (10%)
  - वशिष प्रयोजन के लयि कोड- कोवडि-19 (8.9%)
  - कुछ संक्रामक और परजीवी रोग- मुख्य रूप से सेप्टीसीमयिा तथा तपेदकि से युक्त (7.1%)
  - अंतःस्रावी, पोषण और चयापचय संबंधी रोग (5.8%)
  - चोट, ज़हर और बाहरी कारणों के कुछ अन्य परणिाम (5.6%)
  - नयिोप्लाज़्म (4.7%)
  - प्रसवकालीन अवधमिें उत्पन्न होने वाली कुछ स्थतियिाँ (4.1%)
  - लक्षण और असामान्य नैदानकि परणिाम "अन्यत्र वर्गीकृत नहीं" (10.6%)

## कोवडि-19 से हुई मौतें:

- कोविड-19 वायरस, एक साँस संबंधी बीमारी का कारक भी है जिसे अलग से रिपोर्ट में "विशेष उद्देश्यों के लिये कोड (कोविड-19 मौत) के तहत रिपोर्ट की गई मौतों" के रूप में दर्ज किया गया है।
- कोविड-19 मृत्यु का तीसरा प्रमुख कारण है, जिसके राष्ट्रीय स्तर पर कुल चिकित्सकीय मौतों में से 8.9% मामले दर्ज किये गए है।
- हालाँकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2020 में 1.49 लाख लोगों की मृत्यु कोविड-19 के कारण हुई थी।
- मई 2022 तक भारत में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 5.2 लाख थी।

## साँस की बीमारी से होने वाली मौतें:

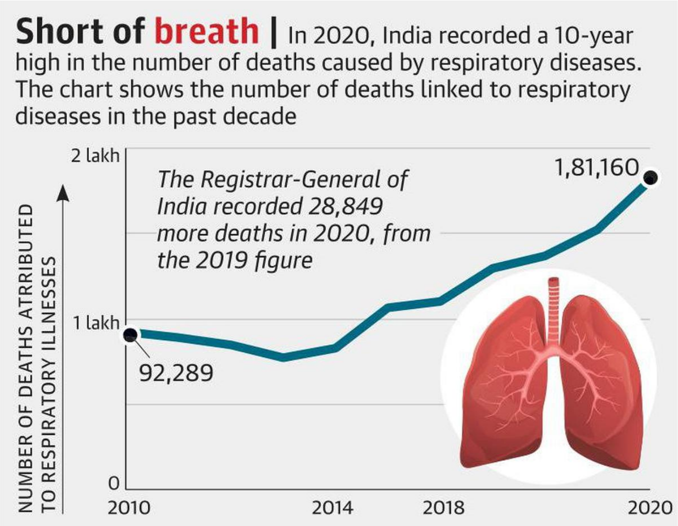


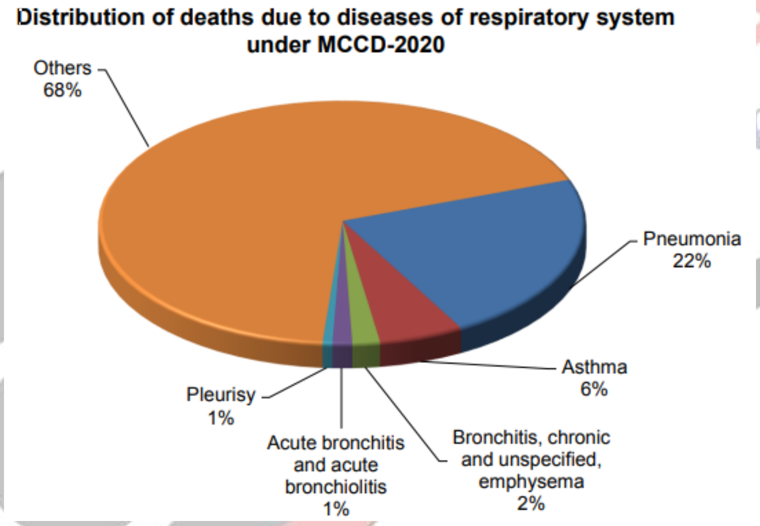


- वर्ष 2020 में निमोनिया, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी साँस की बीमारियों के कारण 1,81,160 मौतें हुईं, वहीं वर्ष 2019 में 1,52,311 से अधिक मौतें हुईं थीं।
- 70 वर्ष से ऊपर के लोग श्वसन रोगों से सबसे अधिक प्रभावित थे, जो सबसे ज़्यादा मौतों के लिये ज़िम्मेदार थे, कुल पंजीकृत चिकित्सकीय प्रमाणित मौतों का 29.4% लोग इस आयु वर्ग से संबंधित थे।
  - इसके बाद 55-64 वर्ष के आयु वर्ग में 23.9% मौतें दर्ज हुईं, जबकि 65-69 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों में भी मौतों की एक बड़ी संख्या (4.5%) दर्ज की गई है।
- मौतों की सबसे ज़्यादा संख्या 45 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में देखी गई जो कुल मौतों का 82.7% है।

## स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/2020-report-on-medical-certification-of-cause-of-death